

URL

LEADER

ԼՕՂԱՅԻՆ, ԴԱՆԱԴԱՐԱՆԱԿԱՆ, ՏՆՏԵՍԱԿԱՆ ԵՒ ԲԱՆԱԺԱՐԱԿԱՆ

ԲՈՎԵՆԴԵՆՈՒԹԻՒՆ

ԱԶԳԱՅԻՆ

Ազգային դատարանի թեան վրայ
ԲԱՆԱԲԱԿԱՆ
ՆԵՐՔԻՆ ԼՈՒՐԻ

Երբ պաշտօնադաշխութիւններ : - Դարդանելի կա-
ռավարիչ Հասան Հայտար փաշային ըրած մէկ
նոր բարեկարգութիւնը :

ԱՐՏԱՔԻՆ ԼՈՒՐԵՐ :

Գ.Ա.ՂԱԼԱՆ : Խորհրդարաններուն բացուիլը : - Պաշար.
ման վիճակին վերնալը :

ԱՆՊՂԻԱ : Ընտրութե պատրաստութիւնը : - ՎՆԱ.
Էփֆրի կոմիտէն փարիզէն Ընտրա շառնայը :

ՇՆՈՒՐԻՆ : Վ . կոյսեր եղած հրաւէր մը :
ՌՈՒՍԻԱ : Վ . կոյսեր ճանապարհորդութեան պատ-
րաստութիւնը :

ԽԱՆՈՒՆ ԼՈՒՐԵՐ

[illegible]

ՏՆՏԵՍԱԿԱՆ

ԳԱՆԱՍԻՐԱԿԱՆ

ՕՂՆԵՐՈՒ ՎՐԱՅ ԱԿԱՄՈՒՄ

ԼՐԱԳԻՐ ՏՂԱՅՈՑ

1854-55 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

U. S. 9-13 15

1. ከጊዜ ሲሄድ ለሰው ሕይወት ምን ዓይነት ጉዳዮች ሊከሰቱ ይችላሉ?
 2. ለእነዚህ ጉዳዮች ምን ዓይነት ምክንያቶች ሊኖሩ ይችላሉ?
 3. ለእነዚህ ጉዳዮች ምን ዓይነት ምክንያቶች ሊኖሩ ይችላሉ?
 4. ለእነዚህ ጉዳዮች ምን ዓይነት ምክንያቶች ሊኖሩ ይችላሉ?
 5. ለእነዚህ ጉዳዮች ምን ዓይነት ምክንያቶች ሊኖሩ ይችላሉ?
 6. ለእነዚህ ጉዳዮች ምን ዓይነት ምክንያቶች ሊኖሩ ይችላሉ?
 7. ለእነዚህ ጉዳዮች ምን ዓይነት ምክንያቶች ሊኖሩ ይችላሉ?
 8. ለእነዚህ ጉዳዮች ምን ዓይነት ምክንያቶች ሊኖሩ ይችላሉ?
 9. ለእነዚህ ጉዳዮች ምን ዓይነት ምክንያቶች ሊኖሩ ይችላሉ?
 10. ለእነዚህ ጉዳዮች ምን ዓይነት ምክንያቶች ሊኖሩ ይችላሉ?

ՀԱՏՈՒԱԾ. Զ.

Պատարարություններ յաջողությունը հասարակ
 նիւթային արգելքներուն չեղումիւն :

(C₁ = 1.7 × 10⁻³) :

Ըսկէ առջև հաստաւածին մէջ Ը
սինք, Թէ դատարարակութեան յաջո-
ղութիւնը արգիւղը նիւթական ար-
դէրէքներուն առաջինը, Բարդիւններուն պա-
սաւիւնը եւ ծածկներուն պաշարման լին-
քն է անոնները ինչպէս պիտի հաս-
տատենք այս խօսքը :

Սեր աղգին մասանդը գտնուած տե-
ղեւուն շատին մէջ, մանաւանդ մայ-
նաքաղաքէն հեռու տեղուանքը գլու-
տոցներ պակաս ըլլալը թէեւ աղգային
վնասակարութիւն մը չըլլալուն չի կր-
նամ ալ գաւառներու ու քաղաքներու
ստորջր անուններով հաստատել, (որն
որ մեծ աղդեցութիւն ունի ասանկ
բնութեանց մէջ), բայց և այնպէս,
վինչէւ հիմա աղգին բնակութեանը
հետաւոր կողմերէն եկած լուրերուն
և արժանաշատաւ տված տուտաւ վիշ-
տերուն խօսքին նայելով դժբաղդա-
ւաբ շատ ստորջ եւ Նւ ինչ՞ու համար
ալ ասոր չի հաւատանք, երբոր կը լը-
տենք, որ տեղ տեղ աղգայինք իրենց
եղուն մոռցեր են բոլորովին ու սոր
վեցնող չունին, և երբոր կը տեսնենք

* *Stu Bl* 4-5-6-8-9:

որ մեզի մօտ եղած մեծամեծ քաղաքներումն մեջ անգամ դպրոցներ կը պահուէին։ Այս ցաւալի կարօտութեանը մը չափ շուտ դարման տանել պէտք է հասկընալու համար, բաւական է միայն մտադրալ, թէ ինչ ճառայութիւն կ'ընեն դպրոցները իրենց գտնուած տեղումները։ Դպրոցները մարդիկ իւրեցի հոգեւոր եւ մարմնաւոր սխալոցէն ջր լըսայ լուսաւորելու կանխելոցն են։ Դպրոցները երբոր մարգագաւրական ոգով հիմնեալ ու նոյն ոգով ալ խնամուած ըլլան, մարդոյս իր պարտքերը, ու իր իրաւունքները կը ստրկեցնեն, իր կարողութիւնները կը զօրացնեն, կը զարգացնեն, որ մէկը կատարել, ու մէկը վայելել ու որ մէկէն ալ շահիլ կը ստրկեցնեն եւայն. ուրեմն յայտնի է, որ հայաբնակ տեղուանք, աղբայնոց, թմուչն ու կարօտ եղած ուսման յը համեմատ դպրոցներ ունենալը ազգային լուսաւորութեան առաջին նիւթակնն սլայմանն է։

Դպրոցներու պակասութեան մէկ
կերպն ալ՝ եղածներուն անյարմար չէն-
քըն է : Լրդարեւ , երբոր դպրոց մը
կամ իր ընդարձակութեամբ կամ իր
չէնքին բաժանմանցը կամ անոնց տրա-
մադրութեանը նկատմամբ ուսանողաց
գործածութեանը չկարմարիր , բնաւ
ընթացել հետ գրեթէ հաւասար է :
Այս մասին շատ օրինակներ ունինք
մայրաքաղաքիս մէջ , և դատարա-
ւութեան խնդրոյն մէջ՝ դպրոցներուն
անյարմար կամ անհամեմատ չէնքն ու
այնչափ հարկաւոր բան է , որ Լճու-
նայնի մէջ , գաղութական ճարտարապե-
տութիւնը մասնաւոր արհեստ մը հա-
մարուածի պէս՝ յատուկ ճարտարա-
պետներ կան , և այս տեսակ շինուա-
նոց վրայ ալ յատուկ գիրքեր :

Մայրաքաղաքին մէջ թաղ կայ, որ
կէս մընն չըմանակին մէջ չորս դպրոց
ունի, և չորսին մէկն ալ իր բաժնին
ննկած աշակերտացը ուսմանցը յարմար
է։ Բնիկայ անշուշտ ցաւայի է. բայց
մըշտի աւերի ցաւալի են արգեօք այն
դպրոցը, գիւղերն ու քաղաքները, ուր
միայն մէյսէկ դպրոց կայ հազարումէկ
թերութիւններով լեցուն համ. բնաւ
ի կայ։ Ընանի տեղ մը, ուր ճամբիտ
հաստիարակութեան ինչ ըլլայ լաւ
ըն հասկըցումա՞ չէ, այն գաստիարա-
կութեանը օժեւեան ըլլալու դպրոցնե-
ուն ալ այս գէշ վիճակը՝ դարմանարու-
ման մը չէ։ Եւ այս խօսքին հաստա-
տութիւն մը ըլլալու համար, այս ալ
բնամ մէջ բերել, որ մինչեւ հիմայ
մէկը իր կողմի դպրոցին անցարմար չէն-
նին վրայ գտնկատ ըրած չունի։ Դրե-
թէ ամէն ազգային դպրոցնիս մէյ մէկ
չինչ տարբերութեամբ իրարու կը նը-
մանին, և այս կարգ չենեւածոց ձեւա-
տութիւնը՝ երկու ձեներակ ոտարունա-
նելք տան մը յատակագծէն չուտ ու
իւրին կը պատրաստունին։

Դաս, մեր դպրոցները՝ մեր եկեղե-
 ժներուն իբր Թէ բովանդակիչ մէջ
 էկ մասը համարուած են. միշտ ա-
 նոց հետ և անոնց քով կը շինուին.
 ինչ դպրոց ունեւեր, որ իրենց սեփհա-
 ռա հարկաւորութեանը համար լա-

սուսկ շինուած ըլլան : Ինչ և իցէ , երբոր , չորոց մը հաստատել հարկ կ'ըլլայ , քանի մը բարեջան մարդիկ մեկ կ'ըլլան , բոլոր մամուլեքնին ու գործքերնին դպրոցին կառուցմանը նկատման ծախքին վրայ կ'ըլլայ , և երբոր ինչ մը բան կը հաւաքեն կամ հաւաքելու յոյ՛ կը գտնան , ուրիշ բան մը չի մտմուտով կ'ըստին շինութեան : Ընչ ինչ ծիծաղելի գիւրութեամբ կը շինուին մեր դպրոցները , երբոր մենե՛ հարկերապատիկ աւելի գիտուն ու հարուստ ազգերը դպրոց մը շինելու համար ամիսներով խորհուրդ կ'ընեն ու տարիններով անոր դրամական հոգը կը հոգան . մենք , մեկ երկու ամսուան մէջ դպրոց կը շինենք : Ուրիշ տեղեր ազգ մը որչափ աւելի առաջ գացած ըլլայ , գրեթէ այնքան աւելի անոր դպրոցները դժուարաւ կը շինուին : Հոս , չորս սրտի վրայ յարկ մը , դասատուներուն մէջ մեկ դրամեղան ու աշակերտաց համար ալ մէկ մեկ նստասան , ահա քեզի դպրոց մը : Ուրիշ ուսաստիճան երկիրներ , դպրոցի մը շինութիւնը չափ ինչ մամուլեքերով կարող է : Եւայն , երկար քննութիւն չ'ըլլայ դպրոցին տեղին վրայօք : Գլուխը մէջ միայն սկսեք է որ աղէկ օր ու երեւոյճ տեղ մը ըլլայ , այլ և կը նային սնանկ տեղ մը շինել , որ այն թաղին շուրջը աշակերտներուն յարմար գայ գրեթէ կուլութեան համար :

Կրկնորէ կը նային որ դպրոցը այն բան մեծ ըլլայ, որ կարող ըլլայ, այն ժողովին բոլոր աղաքը մէջը պարտւեալ լինուի: Կրկնորէ, անանկ ձեւով ու առժամանակներով շինուի, որ մէջին տարիքները բոլոր ուսմունքներուն յարմար ու բաւական ըլլայ: Ուստի երբ պէս անանկ չի ծնած տղուն հանձնարձ չեն պատրաստեր. նախ դպրոցը են շիներ ու մէջին տարիքներէնուն վերայ յետոյ մտածել, այլ նախ պէտք եւրած ուսմունքը կը որոշեն ու դպրոցին հէրը անոնց կը յարմարցնեն: Վերջապէս կը նային, որ դպրոցը բաւական է, ջուր, լոյս ունենալով դիրք մը ունենայ, ամառը զով (սէրին) ու ձմեռը ջերմ ըլլալով ձեւ մը ունենայ, որ շշակերտայ միտքը բժշկելու պատճառան, անոնք ստիպին չի հիւանդացնեն, անոնք նեղ մեղմակներու ու ապաւանեղ օգերու մէջ իրարու վրայ իլըւերով:

Լեւորուպայի մէջ ամէն մէկ աշակերտին նստելու տեղը, ու իրարմէ ունենալիք հեռաւորութիւններն անգամ ամփօլ է։ Ըսել է, որ ամէն մէկ սենյակին, ամէն մէկ սրահին մէջ նստելը տղայոց թիւը տեղին չափովը առաւելք որոշուած է։ Հոն չափ մը կայ, որ եթէ աշակերտաց թիւը այն չափուն հասնի, դպրոցին կառավարութիւնը կրնայ նոր աշակերտ առնելէն առարիւ առանց մարդասիրութեան ամբարեկամութեան դէմ մեղրանշած ետուելու։ Հոս Երկրին մէջ Բել լիւնայ ըսելը՝ քրէական մեղք մը ու անհրաժեշտ է։ Եւ ինչպէս ալ մեծագործներ ամանի խօսք չի չտակըցող ծըղոյր, որբոր կր անտեսել, որ նայ

Իսկ դպրոցները հաստատող ազգին
ընտանոթեալ համարուած մասն ա՜ն-
գամ այս կերպ մտածութիւն մը ը-
րած չունի դպրոցները շինել տուած
ժամանակը :

Քիչ մը կանոնաւոր կերպով դպրոց
ինստմէլ ուզող հոգաբարձուներուն
քաջած ներդաթիւնները ուշատ ամե
բամվատեցողցիլ դժուարութիւննե
րը տեսներով ու լսելով չենք կրնար բ
սեւ, որ դպրոցներուն նայարմար չեն
բը մեծ պատշաւ մը ջըլլալ դատարա
րակութեան չի յալողելուն. և ինչպէս
ալ յուսանք որ ասոր հակառակը ըլլայ ։
Իան մը, ինչ և իյէ, մինչև որ իր հու
թեանը նպատակին համեմատ, հանդա
մակը չուենեայ, նայարմար կը համար
ուի և ունի ։ Այսպէս, դպրոց մին ալ
մինչև որ իր գտնուած տեղին հաստ
րակութեանը իմացական կարօտութիւ
լեցընելու բաւական չըլլայ, հարկաւ
նայարմար ու անօգուտ կ'ըլլայ ։

Ինչպէս որ վերի բաժներէս յայտ
նի է, նոր դպրոցներ շինելու ժամանակ,
վերահալացուներուն կողմէն քիչ մը ա-
ւելի մտածութիւն ընելը՝ բաւական
պիտի կրնայ ըլլալ աղգային դաստիար-
ակութեան զարգացմանը գլխաւոր
արդեւորներուն այս մէկը բառնալու
միայն թէ, այն վերահալացու ըլլալու ան-
ձինք բաւական չէ որ միայն այն թա-
ղին կամ այն դիւղի բնակիչներուն եւ-
տեւելիները ըլլան, այլ պէտք է մա-
նաւանդ, որ այն գործին վրայջը ու-
նեցած ծանօթութիւննուն նկատմամբ
տերեւելի եղած ըլլան. պէտք է գիտ-
նան թէ, ինչ կը շինեն կոր և ինչ
գործածութեան համար: Չարիք մը
որ բառնալի է ու չե բարձուիր, հար-
կու կրողին անհոգութենէն եղած կ'ը-
սայ, ու կարեկցութեան ալ անարժան

Երբորդ տեսակ դպրոցի պահապա-
նին մըն ալ կայ, որ Հոյսակալ ու բա-
նէճեւ դպրոցներուն անկարգ կերպով
ստաճնորդուելնին է : Իսկայ ասիկայ
հաստիարակութեան յաղուլութեանը
աննիւթական արգելքներն ըլլալն,
ասոր վնայ ետքը պիտի խօսիմ երբոր
լարգը դայ : Պիտի շարունակուի :

O. R. 1111

ՔԵՂԵՐԵԿԸՆ

ՆԵՐՔԻՆ ԼՈՒՐԵՐ

Մարտի 29 ին կայսերական Հրովարտական հետեւեալ պաշտօնական փոխտւած իւննները եղան :

Սեծ աղատիւ Սահմուտ փաշան, որ
հարտի 22 ին Տրապիզոնի կառավարիչ
դէր էր, Տէրութեան խորհրդոյ ատե-
ին անգամ անուանեցաւ ։

Ո՛ր, Վ՛յ ասը՞ քի լաւ չան, որ անցեալները
 Վ՛յ խոխնի կառավարիչ եղեր էր, Տըստ
 լիդոնի կառավարիչ անուանեցաւ :

Ուրիշ Սուտաֆա փաշան
Էրստին Վ խոխի կառավարիչ անուան-
եցաւ :

Սեծարգոյ Սիւլէյման էֆէնտին
կէրէի էֆիէ անուանեցաւ, Լաւաճկաց
էճէսլ ամսոյն 12 ին ճամբայ պիտի ել-
է:

Գարդանէի (չանադ գալէ) կու-

սակալ մեծապատիւ Հասան Հայտար փաշան՝ կայսերական կառավարութեան բարենախանձ գիտաւորութեանը հաւանաւոր իւր կառավարելոյ վրայ ունեցած անձանձիր խնամոցը նոր ապացոյց մը տուաւ այս օրերս, որ երկրագործութեան վրայ օգտակար ազդեցութիւն մը պիտի ունենայ:

Իմանալով, որ տեղացիներէն ոմանք իրենց կենդանիները թող կուտան որ առանց մէկու մը առաջնորդութեան արձակ համարձակ կը պտտին, ուրիշներուն արտերը, պարտէզները և մշակած երկիրները կը մոռնան, կը կորսեն, կը թափեն, կ'աւերաւորեն, որով շատ խեղճ գեղացիներու բոլոր տարուան մէջ թափած քրտինքներուն և տաժաւան կանան աշխատութիւններուն արդիւնները կը փձանան ու հետեւաբար իրենք ալ չբաւորութեան ու թշուառութեան մէջ կ'ընան:

Սեծապատիւ փաշան հետեւեալ հրամանագիրը հանեց, որ բոլոր գաւառին մէջ առանց զանցառութեան և անհոգութեան ի գործ պիտի դրուի:

«Ամէն մէկ գեղի մէջ հասարակաց գոմեր շինուին, ուր գիշերները պահուին այն գեղացիներուն կենդանիները, որ իրենց տուններուն կամ բնակարաններուն մէջ բաւական տեղ չունին զանոնք պարտկելու:

«Յերեկը, այս կենդանիները առանց մէկ կամ քանի մը հովիւներու առաջնորդութեան չի կրնան դաշտը ելլել: Թէ որ անոնցմէ մէկը գիշերատուն մշակելու երկիր մը մէջ գտնուի, տուած վնասները և ամէն պատճառած ծախքերը անոր տէրոյն վրայ պիտի մընան: Թէ որ ցերեկը ասանկ բան մը պատահի, եղած վնասը հովիւը պիտի հատուցանէ անհոգութիւն ընելուն համար:»

Այս հրամանագիրն մէջի տնօրէնութիւնները ամէն կերպով ուղիղ իրաւանց համաձայն են. որովհետեւ, երբոր ամէն մարդ այս ընդհանուր կարգադրութեան համամաս կը պարտաւորի գիշերները իր կենդանիները պարտկելու, անհոգութիւն կամ զանցառութիւն ընողը պէտք է որ պատիժը կրէ: Իսկ թէ որ ցերեկը պատահի այս անհոգութիւնը, կենդանիին ըրած վնասները հովիւը պէտք է հատուցանէ:

Այս և ուրիշ ասոր նման բարեկարգութիւններ ընելով, Հասան Հայտար փաշան իր կառավարեալներուն մեծին պտուիին սիրելի եղած է, որոնք ասանկ խնամաւոր կուսակալի մը վիճակներին մեր օգոստոսիաւ և առատագուծ ինքնակալին իւր սիրելի ժողովրդեան վրայ ունեցած գորովական խնամոց մասնաւոր մէկ շնորհք համարելով, անոր անգին և պատուական կենացը համար աղօթելէ չեն դադարել:

ԱՐՏԱՔԻՆ ԼՈՒՐԵՐ

ԳԱՂԱԽԱ: Սարտ 17—29 ին՝ ինչպէս որ ծանուցեր էինք լրագրին 8 թիւէն մէջ, ծերակուտին և օրէնսդրական ժողովոյն խորհրդարանները մեծ հանգիստ բացուեցան:

Կէս օրէն ժամ մը առաջ օտար տէրութեանց դեսպանները, օրէնսդրական ժողովոյն և ծերակուտին և տէրութեան խորհրդայն անդամները սկսան թիւիլըրի պալատը ժողովուիլ, Սարախանտեղուն սրահը, ուր ամենուն համար տեղ սրտուած էր:

Կէս օրէն մէկ ժամու չափ ետքը՝ լուի Նաբօլէոն իշխանը, ժեռում Պոնաբառ, որ մեծին Նաբօլէոնի եղբայրն է, պաշտօնեայնները և նախագահին ղեկավարական երեւելի պաշտօնատարները հանգիստ յիշեալ սրահը

մտան, ուր լուի Նաբօլէոն իրեն համար պատրաստուած աթոռին առջեւ գնաց կեցաւ, պատգամաւորները նստեց Նաբօլէոնի, ու ինքը ոտքի վրայ կանգնած, գլուխը բաց, ատենաբանութիւն մը ըրաւ, որուն նշանաւոր կտորները քաղելով հոս կը գնենք:

«Պարոններ: Պաղղոյ ժողովրդեան ինծի յանձնած իշխանապետութիւնը այսօր կը դադարի: Գործերը նորէն իրենց կանոնաւոր ընթացքը պիտի սկսին: Շնորհաբար բերկրութիւն մը կը դրամ սրբաւոր մէջ՝ սահմանադրական օրինաց գործադրութիւնը հրատարակելով: Որովհետեւ իմ ղեկավարութեամբ ոչ միայն բարեկարգութիւն հաստատել, այլ Պաղղոյ պիտոյիցը յարմար գալիք սահմանադրութիւններով զանի տեսական ընել:

«Քաղաքական սահմանադրութեց մէջ՝ անոնք միայն տեսական են, որ ամէն մէկ իշխանութեան սահմանները արդար չափով կ'որոշեն: Ըստութիւնը օգտակար ու շահաւոր կերպով գործածելու ասկէ զատ ճամբայ չի կայ: (Օրինակները մեզնէ հեռու չեն:

«Ինչու համար 1814 ին՝ մեր ձախորդութեան ժամանակը, ժողովական կառավարութեան հաստատուիլը հաճութեամբ ընդունվեցաւ: Եւրոպայի մար, որ Նաբօլէոն կայսրը, չի վախնալ խոտովանելու, պարտաւոր էր պատերազմներուն պատճառաւ՝ իւր իշխանութիւնը խիստ բացարձակ կերպով վարելու:

«Ինչու համար, ընդ հակառակն 1851 ին՝ Պաղղոյ ուրախացաւ նոյն ժողովական կառավարութեան կործանելուն վրայ: Եւրոպայի, որ խորհրդարանները իրենց ունեցած ազդեցութիւնները չարաչար գործածելու ելեր էին, և ամէն բանի իշխելու գլուխ իշխանութեանց ընդհանուր հաւատարմութիւնը վստահի մէջ կը ձգէին:

«Սերբայէս, ինչու համար Պաղղոյ տայագրական և անձնական ազատութեանց այս միջոցին չափաւորութեան համար չի խռովիլ: Եւրոպայի, որ առաջինը անսահման համարձակութեան մէջ ինկած էր, երկրորդն ալ որ իւրաքանչիւրոյ իրաւանցը գործածութիւնը պիտի ըլլար, ասելի չափաւորութիւններով հասարակաց իրաւունքը ոտքի տակ առնել կ'սպառնար:

«Այս սահմանադրութիւնը, որ այսօրու ընէ սկսելով գործի պիտի դրուի, վերացեալ խորհրդածութիւններու ու տիրապետութեան քաղաքականութեան վրայ հիմնեալ բան մը չէ, այլ ինքի և փորձառութեան վրայ հիմնեալ է: Պարոններ, զանի հաստատելու, ընդարձակելու և ազդեցիկեցնելու համար ինծի պիտի օգնէք:

«Հասարակապետութեան վիճակը պիտի իմացնեն մօտ օրերս ծերակուտին և օրէնսդրական ժողովին: Այս յայտարարութեան մէջ պիտի տեսնուի, որ ամէն տեղ վստահութիւնը հաստատուեցաւ, ամէն տեղ գործերը բացուեցան և այս առաջին անգամ ժողովրդեան հարստութիւնը քաղաքական մեծ փոփոխութեան մը ետեւ պահելուն տեղը եւեցաւ:

«Եւրոպայի տէրութեց վարմունքը, որոնք գոհ աչօք նայեցան և ընդունեցին այս փոփոխութիւնները, իրաւացի յոյս մը կուտան մեզի, որ ազգային մէջ վստահութեան բան չունինք: Սաղաղութիւնը՝ ինչպէս ներսին, անսակ ալ դուրսէն ապահովուած է: Օտար տէրութիւնները մեր ինքնիշխանութիւնը կը յարգեն, և մեր ալ օգուտը կը պահանջեն, որ անոնց հետ ունեցած բարեկամական յարաբերութիւններն իր վերջին աստիճան հաստատ

պահենք: Քանի որ Պաղղոյ պատուոյն գէժ բան մը չըլլայ, կառավարութեան պարտքն է՝ Եւրոպայի խաղաղութիւնը վերականգնելու առիթներէ մեծ խնամքով զգուշանալ, և մեր բոլոր ջանքը նուիրել ներքին բարեկարգութիւններու, որոնք միայն կարող են մեր աշխատաւոր կարգերը բարեկեաց և երկիրը երջանիկ ընելու:

«Եւրոպայի, Պարոններ, երբոր դուք հայրենասիրութեամբ իմ աշխատութիւններու գործակից պիտի ըլլաք, կուզեմ, որ անկեղծութեամբ ձեզի իմ մայրենեմ իմ բունեղբ ընթացի:

«Կայսերական սահմանադրութիւնները ու յիշատակները նորոգելու տեսնողները շատ անգամ լսին, որ իմ միտքս կայսերութիւն հաստատել է: Թէ որ անանկ զիտաւորութիւն մը ունենայի, շատոնց կատարած կըլլայի, որովհետեւ ոչ միջոցները և ոչ առիթները պակաս չեղան:

1848 ին, Եւրոպայի սահմանադրական ժողովոյն կամացը հակառակ վեց միլիոն բնակչով ընտրուեցայ, ազէ կոտէի, որ սահմանադրութիւնը չընդունելու պղտի յօժարութիւն մը ցուցնելով, կրնայի կայսերական աթոռ մը ձեռք բերել: Բայց անանկ բարձրանալ մը որ մեծ անկարգութիւններու պատճառ պիտի ըլլար, չի կրցաւ զիս հրապարակել:

«Եւրոպայէս 1849 յուլիս 13 ին՝ գիւրաւ կրնայի կառավարութե կերպով փոխել, ու չուղեցի:

«Սերբայէս, 1851 դեկտեմբեր 5 ին, թէ որ երկրին մեծ և կարեւոր օգուտները անձնական կատմութիւններէ մեր չի բռնէի, առաջ փառաւոր անուն մը կուզէի ժողովուրդէն որ չէր խնայէր ինձմէ, բայց ես առջի ունեցածս բաւական տեսցիլ:

«Ստորի հիւսկապետութեան և կայսերութեան սահմանադրութիւններէն օրինակ առնելուս պատճառն ան է, որ աւելի անոնց վրայ կը գտնուէր ազգայնութեան և մեծութեան դրոշմներ:

«Ես ինչպէս որ առաջ, այսօր ալ հաստատուեմ միտքս դրած ըլլալով, որ ամէն բան Պաղղոյ համար ընեմ ու ինծի համար բան մը չընեմ, կառավարութե հիմնական վիճակը փոփոխելու չի պիտի առնեմ, մինչեւ որ հարկը զիս չի տոկայ: Սակայն կրնայ ծագիլ այս հարկը: Սի միայն կուսակցութեց վարմունքէն: Թէ որ հանդարտ կենան, բան մը փոփոխելը չունի: Բայց, թէ որ գաղտնի հնարքներով աշխատին իմ կառավարութեան հիմը փոխելու, թէ որ կայր ատելութեամբ ուրանան ժողովրդեան ըրած ընտրութեան օրինաւորութիւնը, մէկ խորով: Թէ որ անդադար թշնամութիւն ընելով երկրին տայագուն վտանգի մէջ ձգեն, ան ժամանակը, բայց միայն ան ժամանակը, իրաւունք կունենան Պաղղոյ հանդիսութեանը համար, ժողովուրդէն նոր անուն մը խնդրելու որ մշտնջենաւոր ու անգուշակ կերպով գլխուս վրայ հաստատէ ինծի տուած իշխանութիւնը:

«Բայց չի մոմոտնք առաջուցմէ անանկ դժուարութիւններու վրայ, որոնց երեւան ելլելը անշուշտ հաւանական չէ: Պահենք հասարակապետութիւնը, որ մարդու վնաս չունենալէն զատ կրնայ ազէ կայսեր տալ: Եւրոպայի գործաւորին տակը անյիշատարութե ու հաշտութեան նոր դար մը կուզեմ սկսիլ, և ասոր համար անհրաժեշտ կը կանգնեմ ան ամենքը, որ ինծի հետ մէկտեղ հասարակաց բարեւոյն համար կուզեն աշխատիլ:

«Նախախնամութիւնը, որ մինչեւ հիմա յայտնապէս իմ ջանքերս օրհնեց, իր սկսած գործը կիսկատար չի թողուր: մեզ ամենքս ալ իր հոգեւոր ազդեցութիւններով կը լեցունեն իմաստութիւն և

ուժ կուտայ մեզի, իրաց այս կարգը աւելի հաստատուելու, որով մեր հայրենիքը երջանիկ ու Եւրոպա ալ հանգիստ ըլլայ:»

Այս ատենաբանութիւնը խոր լուսութեամբ մտիկ ըրին հանգիստականները, և ըմբոստ ատենը ծափաբերելով լեցան Նաբօլէոն պոռապին:

Եւրոպայի սահմանադրութեան տեսութեան պաշտօնեայ Պ. Քաղապիսեքա երգման ձեւը կարգաց, որ էր հաւատարիմ մնալ սահմանադրութեան ու նախագահին, և խորհրդաց գաղտնիքը դուրս չի հանել: Օտարակուտին և օրէնսդրական ժողովոյն անդամները յանուանէ կոչուելով երգում ըրին: Քաղապիսեքա գործաւոր, Պ. Քաղապիսեքա, և Պ. Էնոն՝ այս կոչմանը չի պատասխանեցին:

Եւրոպայի ըմբոստները, տէրութե պաշտօնեան նախագահին անուանով հրատարակեց խորհրդարաններուն բացուիլը, և անմիջապէս ետքը՝ երկու ժողովները մէկ մէկէ բաժնուեցան:

— Սարտի 15—27 ին՝ Պաղղոյ նահանգները պաշարման վիճակէն ազատեցան:

ԱՅՈՒՄԱ: Նախընթաց թուով ծանուցինք, որ Տէրպի կոմսը Լօրտերուն խորհրդարանին մէջ, և Պ. Սիլվայէլի տոտրին խորհրդարանին մէջ կառավարութեան խորհրդարանը լուծեցու գիտաւորութիւնը իմացուցեր էին: Սարտ վրայ մէկ իրար անցում մը ինկաւ ժողովրդեան մէջ, ընտրութեան ժողովները սկսան գումարուիլ, նոր հետաւումներ ընտրուիլ, և ամէն մարդ կուզէ, որ ամէն բան ժամ մը առաջ լուծուի:

Սիլվէ հիմա ընտրութիւններուն և խորհրդարանին ժողովուրդուն միջոցը յիսուն օր կանցներ, Լօրտ Պրոմ առաջարկեց խորհրդարանին, որ այս միջոցը երեսունուհինք օր ըլլայ:

— Սարտ վրայ կոմսը՝ մարտի 7—19 ին՝ Փարիզէն Լօրտը գարձաւ իր գետնականութեան պաշտօնը վարելու:

ԱՅՈՒՄԱ: Սարտ 8—20 թուով եկած գրերէն կ'իմանամք, որ Սիլվայ Նիկոլայոս և Սիլվայոս մեծ դուքսերը, որոնք այս միջոցին Սիլվէն կը գտնուին, իրենց հօրը կըլինէին Եւրոպայի Վիկտոր Սիլվէն հրաւիրեցին, ուր յուլիս ամսայ մէջ գիտաւորական հանգէտներ պիտի կատարուին: Կրնան թէ Վիկտորը ընդունել է այս հրաւերը:

ՈՒՄԱ: Վիկտոր ճանապարհորդութեան պատրաստութիւն կը տեսնէ այս օրերս, բայց ուր երթալիքը անոյց չի գիտցուիր: Սիլվէն կ'ընեն թէ Վարչաւիս պիտի երթայ զօրաց բանակները աչքէ անցունելու, ոմանք ալ զբոյժ տեղերու անուն կուտան: Սիլվայ տարբեր կարծիքներուն պատճառը այն է, որ գուրտերը հրաման իրականացաւ բոլոր կայսերական պարտները պատրաստ պահելու, սպասեալ երեւելի մարդոց համար:

Ի ԱՌՆ ԼՈՒՐԵՐ

Նոյեմբ 27 յորեքշաբթի, Պաղղոյ տէրութեան Սիլվէրկրական ծովաւաւորութեան հրամանատար Պ. Սիլվէն Տէֆօսէ՝ Պաղղոյական փառօք Փրոպէկաղով մայրաքաղաքէս մեկնեցաւ հրաժարական թնդանօթներ արձակելով:

— Եւրոպայի (սարտ 1)՝ Եւրոպայի տիրակալները կուսակալ հանգուցեալ Սիլվէն Տէֆօսէ՝ Վիկտորի որդին Սիլվէն մէկ Վիկտոր գործաւոր (Ֆերիք) որ պատերազմական բարձրագոյն ժողովոյ անդամ է, Եւրոպական Սիլվէն

